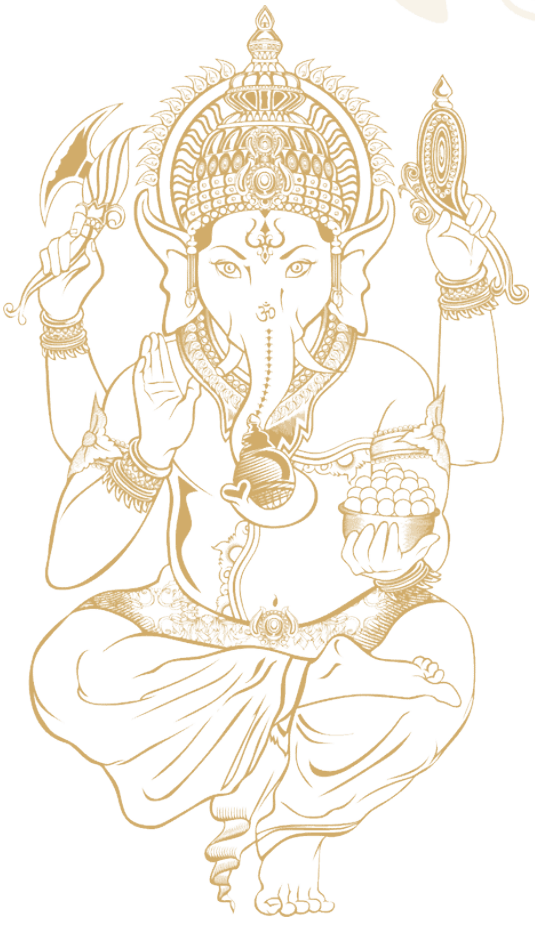

Mr.k.sachdeva

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120204803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/04/1995	जन्म तिथि	14/03/1997
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 06:14:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 00:56:17	जन्म समय(घटी)	38:01:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Panipat
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:29	सूर्योदय	06:33:36
18:49:22	सूर्यास्त	18:29:35
23:47:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 2वर्ष 10मा 3दि		11:50:54	मेष	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि	
चन्द्र		05:41:33	मेष	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु	
21/02/2024		07:55:11	धनु	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010	
21/02/2034		23:05:39	कर्क	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028	
चन्द्र	22/12/2024	11:55:28	मेष	बुध	मीन	03:12:44	राहु	28/05/2013
मंगल	23/07/2025	21:03:35	वृश्चि व	गुरु	मक	17:52:22	गुरु	22/10/2015
राहु	22/01/2027	03:37:23	मीन	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि	28/08/2018
गुरु	23/05/2028	26:27:47	कुंभ	शनि	मीन	14:24:21	बुध	16/03/2021
शनि	22/12/2029	11:48:53	तुला	राहु	कन्या	04:56:01	केतु	04/04/2022
बुध	23/05/2031	11:48:53	मेष	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र	04/04/2025
केतु	22/12/2031	06:34:57	मक	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य	26/02/2026
शुक्र	22/08/2033	01:44:21	मक	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र	28/08/2027
सूर्य	21/02/2034	06:13:51	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल	15/09/2028

लग्न-चलित

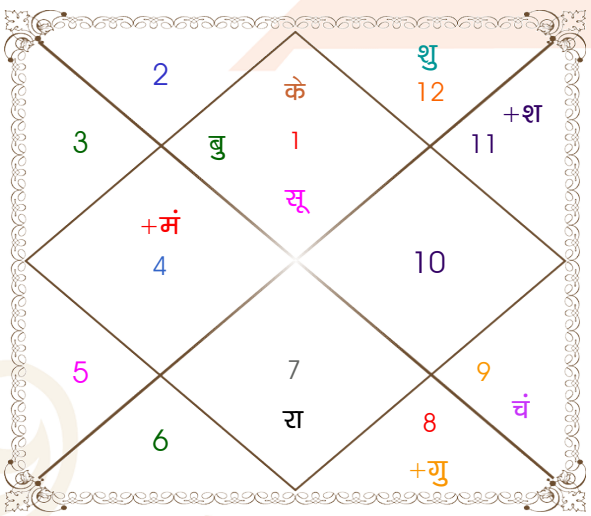

लग्न-चलित

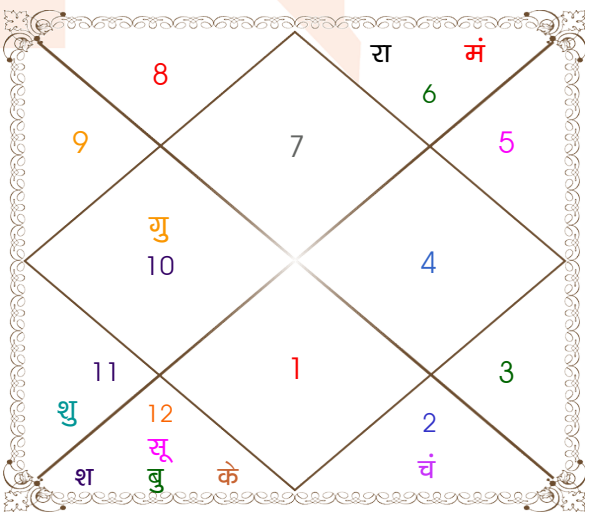

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.k.sachdeva का वर्ग मूषक है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.k.sachdeva और Ms.nirali का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.k.sachdeva मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.k.sachdeva कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.k.sachdeva कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.k.sachdeva कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.k.sachdeva तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।